

क़ुरआन के गुण (2 का भाग 2)

रेटिंग:

विवरण: ?? 2 ???? ???? ??? ?????? ?? ?????? ??? ?? ?????? ?????? ?? ?????? ?? ?????? ?? ?????? ???? ???? ????
???

श्रेणी: [पाठ](#) > [पवित्र क़ुरआन](#) > [क़ुरआन के समीप आना](#)

द्वारा: Imam Mufti (© 2015 NewMuslims.com)

प्रकाशित हुआ: 08 Nov 2022

अंतिम बार संशोधित: 07 Nov 2022

उद्देश्य

·क़ुरआन पढ़ने के अतिरिक्त इनाम जानना।

·क़ुरआन के वशिष्ट सूह (अध्याय) का इनाम जानना।

अरबी शब्द

·???? - क़ुरआन का अध्याय।

क़ुरआन को पढ़ने के महत्व पर जोर देते हुए, पैगंबर ने कहा, "क़ुरआन पढ़ने वाले वशिवासी का उदाहरण एक खट्टे फल का है जिसका स्वाद अच्छा होता है और खुशबू भी अच्छी आती है; और जो क़ुरआन नहीं पढ़ता, वह उस खजूर के समान है, जिसका स्वाद तो अच्छा है पर गंध नहीं है। एक बुरा व्यक्ति जो क़ुरआन पढ़ता है उसका उदाहरण उस तुलसी का है जिसमें अच्छी गंध आती है लेकिन स्वाद कड़वा होता है; और वह बुरा व्यक्ति जो क़ुरआन नहीं पढ़ता है वह उस बेल के समान है जिसका स्वाद कड़वा होता है और उसमें गंध भी नहीं होती।"^[1]



अल्लाह के शब्द क़ुरआन के कई गुण हैं। क़ुरआन की प्रत्येक सूह महत्वपूर्ण है लेकिन कुछ सूहों का विशेष महत्व है। एक नए मुसलमान के पढ़ने के लिए सबसे अच्छी सूह वो है जिससे उसे बड़ा इनाम मिले और उसे याद करने में भी मदद मिले।

इस पाठ में, हम क़ुरआन के अंतमि तीन छोटे लेकनि शक़्तशाली अध्यायों के गुणों का उल्लेख करेंगे:

सूरह अल-इखलास पढ़कर स्वर्ग में एक घर बनाएं: पैगंबर ने कहा: "जो कोई दस बार कुल-हु-वल्लाहु अहद [सूरह अल-इखलास] पढ़ेगा, अल्लाह उसके लिए स्वर्ग में एक घर बना देगा।"[\[2\]](#)

सूरह अल-इखलास पढ़ना एक-तहिर्ई क़ुरआन पढ़ने के बराबर है: एक आदमी ने दूसरे आदमी को कुल-हु-वल्लाहु अहद [सूरह अल-इखलास] पढ़ते हुए और उसे दोहराते हुए सुना। अगली सुबह वह अल्लाह के दूत (उन पर अल्लाह की दया और आशीर्वाद हो) के पास गया, और उसे इसके बारे में बताया। उस आदमी ने सोचा कि यह बहुत छोटा है, लेकिन अल्लाह के दूत ने कहा: "जसिके हाथ में मेरी आत्मा है उसकी कसम, यह एक तहिर्ई क़ुरआन के बराबर है।"[\[3\]](#)

पैगंबर के समय में एक आदमी भोर से ठीक पहले अल्लाह की पूजा करने के लिए उठा और कुल-हु-वल्लाहु अहद [सूरह अल-इखलास] पढ़ा, लेकिन इसके अलावा कुछ और नहीं पढ़ा। सुबह वह आदमी पैगंबर के पास गया और उन्हें इस बारे में बताया, यह सोचकर कि शायद यह पर्याप्त नहीं है। अल्लाह के दूत ने कहा: "जसिके हाथ में मेरी आत्मा है उसकी कसम, यह एक तहिर्ई क़ुरआन के बराबर है।"[\[4\]](#)

सोने से पहले सूरह अल-इखलास पढ़ने की सलाह दी जाती है: आयशा ने बताया कि जब पैगंबर सोने जाते थे, तो वह अपने हाथों को एक साथ मलाकर कप जैसा आकार बनाते, उसमें फूंकते और उसमें कुल-हु-वल्लाहु अहद [सूरह अल-इखलास], कुल आऊज़ो-बी रब्बलि फलक [सूरह अल-फलक] और कुल आऊज़ो-बी रब्बनि-नास [सूरह अन-नास] पढ़ते (ये क़ुरआन के अंतमि 3 अध्याय हैं)। फिर वह अपने सरि और चेहरे और अपने शरीर के सामने से शुरू करते हुए अपने हाथों से जतिना हो सके अपने शरीर को पोंछते। ऐसा वह तीन बार करते थे।[\[5\]](#)

सूरह अल-इखलास के लिए प्यार: आयशा ने यह भी बताया कि पैगंबर ने एक छोटे सैन्य अभियान का नेतृत्व करने के लिए एक व्यक्ति को भेजा, और जब वह अपने साथियों को नमाज़ पढ़ाते हुए क़ुरआन पढ़ता, तो वह हमेशा कुल-हु-वल्लाहु अहद [सूरह अल-इखलास] पर समाप्त करता। जब वे वापस आए, तो (उसके साथियों ने) पैगंबर को ये बात बताई, पैगंबर ने उनसे कहा कि उससे पूछो कि उसने ऐसा क्यों किया। तो लोगो ने उससे पूछा, और उसने कहा, "क्योंकि यह परम दयालु का वर्णन है, और मुझे इसे पढ़ना अच्छा लगता है।" पैगंबर ने कहा: "उसे बता दो कि अल्लाह उससे प्यार करता है।"[\[6\]](#)

हर रात सूरह अल-इखलास पढ़ना: उक़बा इब्न 'आमरि ने कहा, "मैं अल्लाह के दूत से मिला और उन्होंने मुझसे कहा: 'ऐ उक़बा इब्न' आमरि, क्या मैं आपको कुछ सूरह न सखा दूं जसिके जैसी तौरात या ज़बूर या सुसमाचार या क़ुरआन में प्रकट नहीं हुई है? कोई रात ऐसी नहीं होनी चाहिए जसिमें आप ये न पढ़ो (अर्थात, हर रात आपको पढ़ना चाहिए) कुल-हु-वल्लाहु अहद [सूरह अल-इखलास], कुल आऊज़ो-बी रब्बलि फलक [सूरह अल-फलक] और कुल आऊज़ो-बी रब्बनि-नास [सूरह अन-नास]" उक़बा ने कहा: "तो मैं हर रात इन्हें पढ़ता। इन्हें पढ़ना मेरा कर्तव्य बन गया, क्योंकि अल्लाह के दूत (उन पर अल्लाह की दया और आशीर्वाद हो) ने मुझे ऐसा करने की आज्ञा दी थी..."[\[7\]](#)

स्वर्ग उसका अधिकार है: पैगंबर ने एक आदमी को कुल-हु-वल्लाहु अहद पढ़ते हुए सुना, और उन्होंने कहा, "यह उसका अधिकार है।" लोगो ने पूछा, "ऐ अल्लाह के दूत, उसका क्या अधिकार है?" उन्होंने कहा, "स्वर्ग उसका अधिकार है।"^[8]

इन पाठों में अरबी में सामान्य रूप से क़ुरआन पढ़ने और कुछ लंबी सूरह पढ़ने के कई महान गुणों का उल्लेख किया गया है। क़ुरआन के छोटे सूरह को पढ़ने के महान गुण भी हैं जन्हें याद करना आसान है, जैसे सूरह अल-फातहि और सूरह अल-इखलास।

जब तक आप क़ुरआन को अच्छी तरह से पढ़ना नहीं सीख लेते, यदि आप इसे किसी और के द्वारा सुने और इसके बताये गए इनाम की उम्मीद करें, तो आशा है कि आपको पढ़ने वाले के समान इनाम मिलेगा, क्योंकि आपका इरादा अच्छा है और आप वह कर रहे हैं जो आप करने में सक्षम हैं।

फ़ुटनोट:

[1] ????? ??-???????

[2] ????? ??-????? ??-?????

[3] ????? ??-???????

[4] ????? ??-???????

[5] ????? ??-???????

[6] ????? ??-???????

[7] ????? ?????

[8] ????? ?????

इस लेख का वेब पता

<https://www.newmuslims.com/hi/articles/306>

कॉपीराइट © 2011 - 2024 NewMuslims.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।